TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

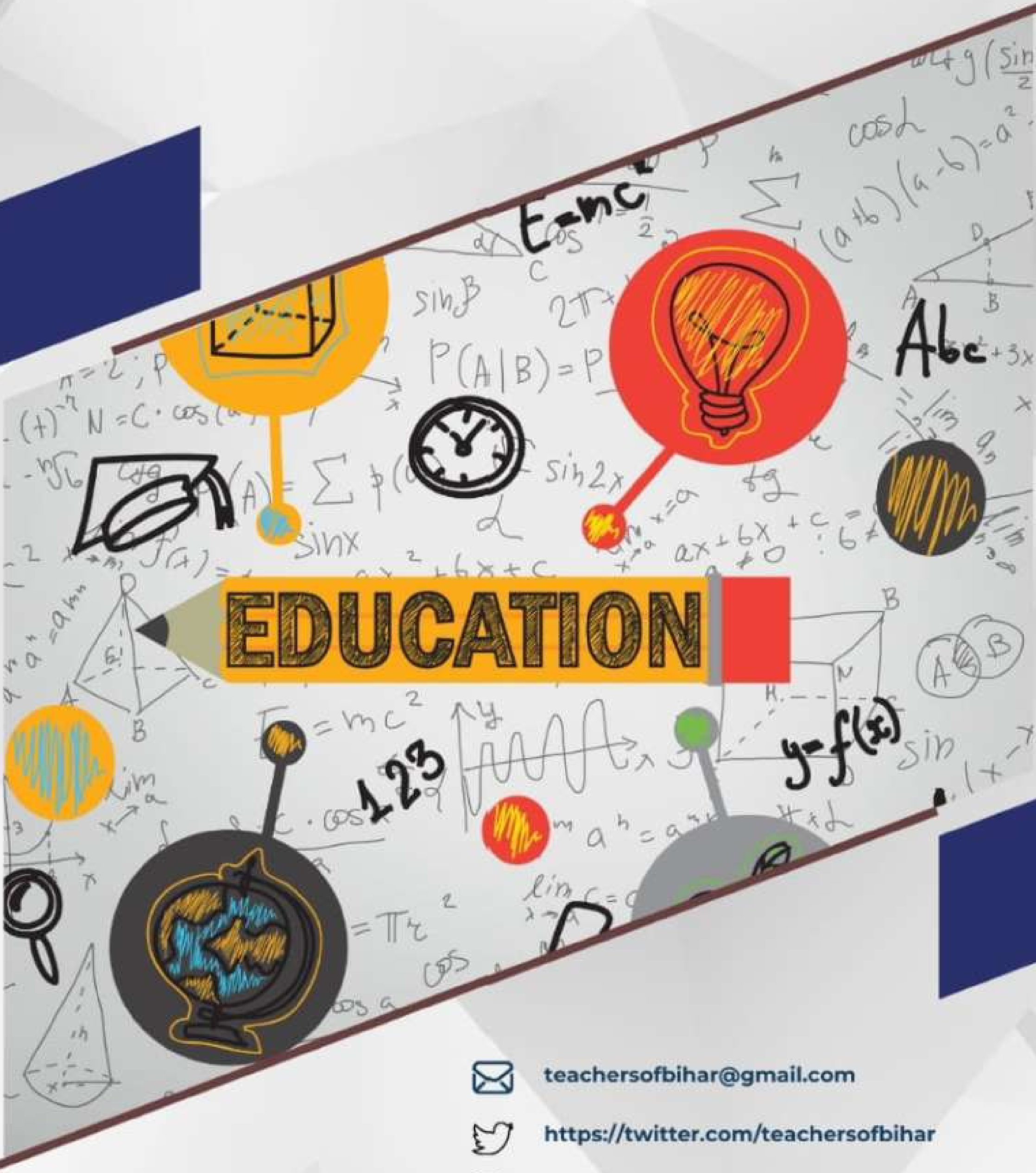

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

विश्व बाल अधिकार दिवस विशेष

20 नवंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

बच्चों के अधिकारों को कायम रखना एक बेहतर विश्व की दिशा में एक दिशासूचक है आज, कल और भविष्य में भी।

unicef

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

20 नवम्बर

1. **विश्व बाल दिवस–** पहली बार इसे वर्ष 1954 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया गया था। हालांकि इसे मनाने की शुरूआत 1925 ई. में ही हो गई थी। इसी दिन यानी 20 नवम्बर, 1959 ई. को ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकार के घोषणापत्र को अंगीकार किया था तथा वर्ष 1989 में भी इसी तारीख को बाल अधिकार पर समझौता हुआ था जिसे 191 देशों द्वारा पारित किया गया था। विश्व बाल दिवस मनाने का विचार दिवंगत श्री वी के कृष्ण मेनन का था जिसे संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा वर्ष 1954 में अपनाया गया। यह दिवस विश्व के बच्चों के कल्याण के लिए कदम उठाने और उसे बढ़ावा देने को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया।

2. **टीपु सुल्तान का जन्म–** टीपु सुल्तान का जन्म 20 नवम्बर, 1750 ई. को कर्नाटक के देवनाहल्ली में हुआ था। वह मैसूर के शासक हैदरअली का पुत्र था। उसका पूरा नाम सुल्तान फतेह अली खान शाहाब था। वह 1782 ई. से 1799 ई. तक मैसूर का शासक रहा। उसकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता हैदर अली ने ही उन्हें 'शेर–ए–मैसूर' के खिताब से नवाजा था।

- बच्चों को **तृतीय और चतुर्थ मैसूर युद्ध** के साथ जोड़कर बतायें।

Wednesday

/teachersofbihar

Madhu priya

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

20 नवंबर

मधु प्रिया

विश्व बाल दिवस 20 नवम्बर

भारत के हो या विश्व के किसी और अन्य देश के बच्चे समाज के भविष्य होते हैं। बच्चों की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और अच्छे भविष्य के लिए हर साल विश्व स्तर पर विश्व बाल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा की है और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन बच्चों के अधिकारों के लिए कार्य करता है। यूनाइटेड नेशन इंटरनेशनल इमरजेंसी में बच्चों के विकास एवं कल्याण की दिशा में बहुत कार्य की है और लगातार कार्यरत एवं प्रयासरत है। जिसमें बड़े से बड़े सेलिब्रिटी भी योगदान देते हैं, ताकि बच्चों का जीवन संवर सके।हर साल 20 नवंबर को विश्व स्तर पर बाल दिवस मनाया जाता है। भारत में यह दिन 14 नवंबर को मनाया जाता है, लेकिन विश्व स्तर पर सभी देशों के लिए 20 नवंबर के तारीख को बाल दिवस के लिए घोषित किया गया है। बेहतर भविष्य के लिए निवेश करने का अर्थ है अपने बच्चों में निवेश करना। यही कारण है कि हर साल 20 नवंबर को 'वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स डे' मनाया जाता है। ये दिवस दुनियाभर में एकजुटता को बढ़ावा देने, दुनिया के हर कोने में बच्चों की समस्याओं के बारे में जागरूक करने और बच्चों के कल्याण के उद्देश्य से मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा निर्धारित गाइडलाइन को दुनिया के लगभग 191 देशों ने स्वीकार किया है और बच्चों के अधिकारों के प्रति देशों की जागरूकता जाहिर की है। यूनिवर्सल चिल्ड्रेन्स डे से पहले 14 नवंबर को भारत में पंडित ज्वाहरलाल नेहरू की याद में 'चिल्ड्रेन्स डे' सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन भी बच्चों से जुड़े कई मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया जाता है।

मिलखा सिंह *Milkha Singh*, जन्म- 20 नवंबर, 1929; मृत्यु- 18 जून, 2021) भारत के ऐसे प्रसिद्ध धावक थे जिन्हें लोग **फ्लाइंग सिक्ख** के नाम से जानते हैं। सन 1956 में मेलबर्न में आयोजित हुए ओलंपिक खेलों में उन्होंने पहली बार 200 मीटर और 400 मीटर की रेस में भाग लिया था।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 20.11.2024

विश्व बाल अधिकार दिवस

विश्व बाल दिवस यानी यूनिवर्सल चिल्ड्रेंस डे, हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है. यह दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों की घोषणा की याद में मनाया जाता है. साल 1959 में इसी दिन बाल अधिकारों की घोषणा की गई थी और साल 1989 में बाल अधिकारों पर कन्वेंशन हुआ था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

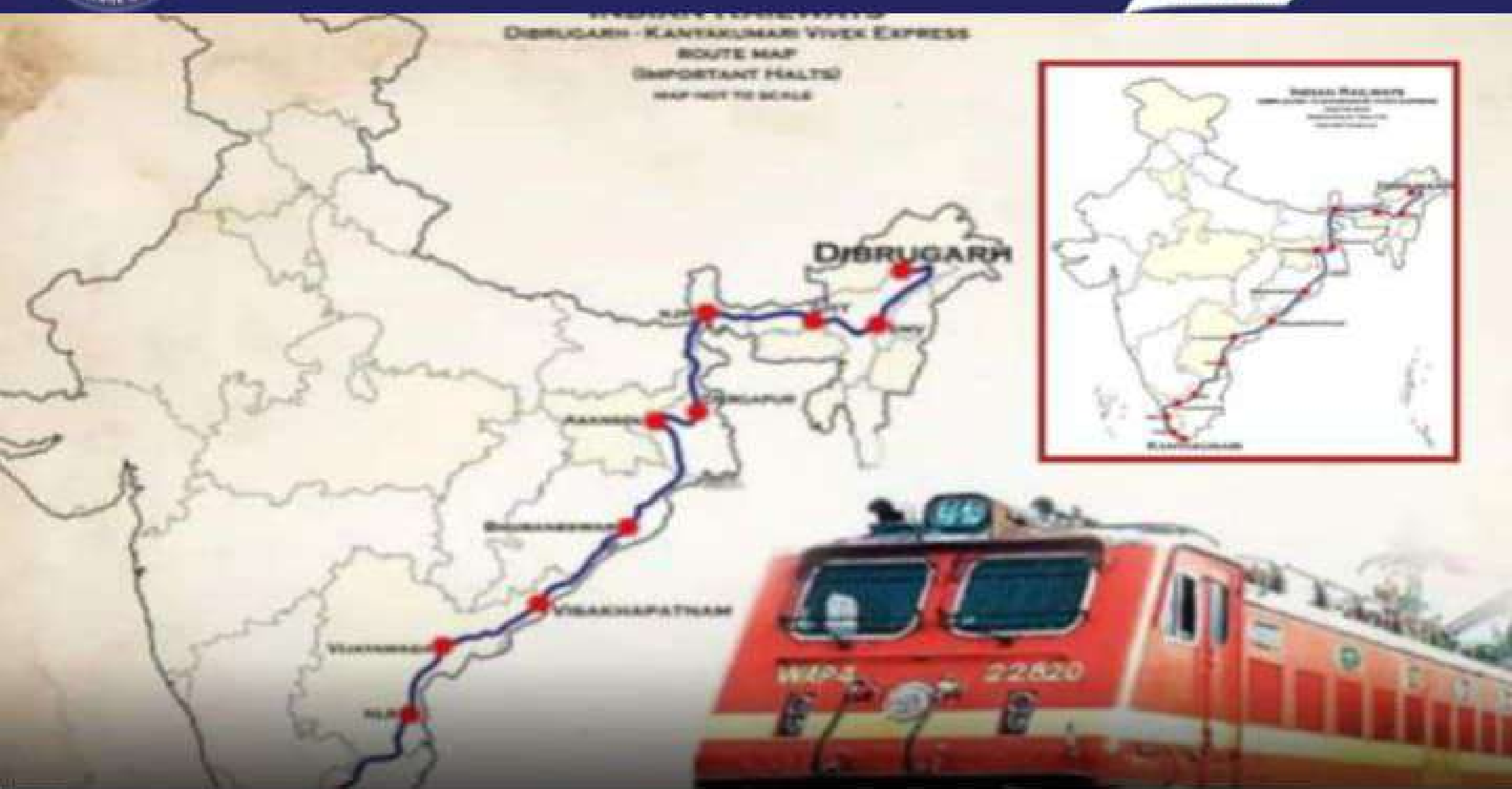

भारत का सबसे लंबा रेल मार्ग ९ राज्यों से गुजरता हुआ ५ हजार किलोमीटर की दूरी तय करता है। यह भारत के आखिरी छोर कन्याकुमारी से लेकर उत्तरपूर्व भारत के असम राज्य के डिब्रूगढ़ तक फैला हुआ है।

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ट्रैक साइकिलिंग

ट्रैक साइकिलिंग

ट्रैक साइकिलिंग में साइकिल पर रेस की जाती है, जो अक्सर लकड़ी से बने अंडाकार ट्रैक पर होती है। ये आमतौर पर इनडोर में होती है लेकिन इसे हमेशा वेलोड्रोम पर नहीं किया जाता है।

ट्रैक साइकिलिंग के नियम

ट्रैक साइकिलिंग के हर इवेंट के अलग-अलग नियम होते हैं। लेकिन आमतौर पर खेल में पहले फिनिशिंग लाइन को पार करना या सबसे ज्यादा अंक या मैदान में सबसे ज्यादा लैप करने वाला प्रतियोगिता को जीतता है।

इवेंट: पुरुष और महिला दोनों पाँच इवेंट में पूरा करते हैं

ओलंपिक में ट्रैक साइकिलिंग

1896 में ट्रैक साइकिलिंग को हर ओलंपिक गेम्स के सीजन में शामिल किया गया।
महिलाओं ने 1988 में सियोल गेम्स के बाद से ट्रैक इवेंट में हिस्सा लेना शुरू किया।

साइकिलिंग का ट्रैक

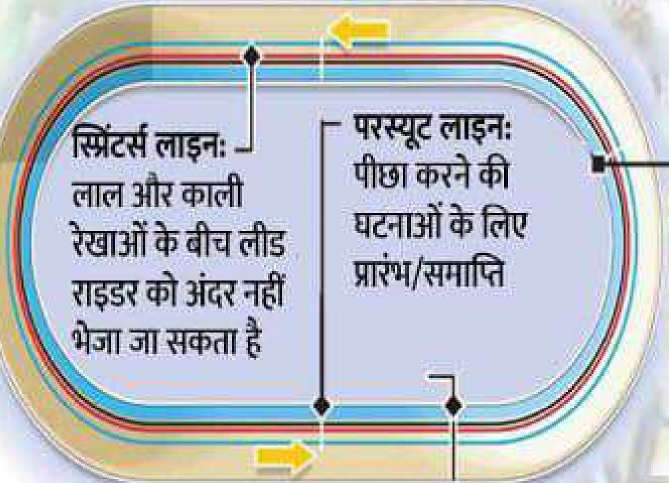

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

बबीता फोगाट

20 नवंबर 1989

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

20 नवंबर

विश्व बाल दिवस

की समस्त बालक-बालिकाओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya